परिशिष्ट - एक

आधार ग्रंथ

कहानी संग्रह

१) राजा निरबंसिया - प्रकाशक - शब्दकार,
२२०३, गली कोलान
तुर्कमान गेट दिल्ली ११०००६
दूसरा संस्करण - १९८२

२) ब्यान - वही-
संस्करण - १९८४

३) मांस का दरिया - प्रकाशक - शब्दकार,
१५९, गुरु अर्जुन नगर, (वेस्ट)
दिल्ली ११००९२
चतुर्थ संस्करण १९८६

४) खोयी हुई दिशाएँ - वही -
दूसरा संस्करण १९८६

५) मेरी प्रिय कहानियाँ - प्रकाशक - राजपाल एण्ड सन्स
काश्मीरी गेट दिल्ली- ६
प्रथम संस्करण १९७२

६) कस्बे का आदमी अनुपलब्ध

७) जिन्दा मुर्दे अनुपलब्ध

परिशिष्ट - दो

संदर्भ ग्रन्थ सूचि

१) ग्रामिण - नगरीय समाजशास्त्र - आर.एन.मुखर्जी, पद्मधर मालविय करेण्ट पब्लिकेशन लखनऊ ।

२) भारत में नगरीय समाजशास्त्र - डॉ.रामनाथ शर्मा, राजहंस प्रकाशन मंदिर मेरठ (उ.प्र.) १९८९ ।

३) भारतातील सामाजिक समस्या(मराठी) - सं.डॉ.विलास संगवे, पॉप्युलर प्रकाशन, बम्बई ।

४) भारतीय सामाजिक समस्या(मराठी) - डॉ.बी.ने.खडसे, मंगेश प्रकाशन,नागपुर ।

५) समकालीन कहानी युगबोध का संदर्भ - डॉ.पुष्पपालसिंह नैशनल पब्लिशिंग दरियागंज, नई दिल्ली । १९८६ ।

६) समकालीन कहानी रचनामुद्रा - डॉ.पुष्पपालसिंह राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली । १९८६ ।

परिशिष्ट - दो

संदर्भ ग्रन्थ सूचि

७) नई कहानी प्रकृति और पाठ - श्री सुरेन्द्र
परिवेश प्रकाशन
जयपुर
१९६८ ।

८) नई कहानी की भूमिका - कमलेश्वर
शब्दकार प्रकाशन
दिल्ली ११०००६
१९७८ ।